Greenlawns School, Worli

प्रथम सत्रीय पुनरावलोकन (२०२४-२५)

हिंदी

कक्षा :- आठवीं पूर्णांक:- ८०

दिनांक - २६ .०९.२४ समय:- २ १/२घंटे

सूचना : १. इस प्रश्न पत्र के दो भाग हैं।

२. भागों 'अ' के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है।

३. भाग 'ब' के उत्तर वहाँ दी गई सूचना के अनुसार लिखिए।

विभाग - अ (अंक - ४०)

भाषा - विभाग

प्र.१) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (१५)

१. बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। समय के महत्त्व को समझे बिना जीवन - पथ पर आगे बढ़ना कठिन ही नहीं असंभव है। इसे आधार बनाकर समय के सदुपयोग पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

२. दीपावली एक आलोक पर्व है। इसे 'पंच त्योहारों का गुलदस्ता' भी कहा जाता है। इस आलोक पर्व की विस्तार से चर्चा करते हुए भारतीय जीवन में इसके महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

३. एक मोबाइल फोन की आत्मकथा लिखिए।

४. 'आम के आम गुठलियों के दाम ' इस लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

५. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और उसके आधार पर कोई घटना, कहानी या लेख लिखिए जिसका सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए:-

प्र. २)निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:- (लिफाफा आवश्यक) (७)

आप पिछले दो दिनों से विद्यालय में समय पर नहीं पहुँच पा रहे थे, इसका कारण बताते हुए तथा क्षमा माँगते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्यजी को पत्र लिखिए।

अथवा

अपनी छोटी बहन को नियमित योग करने व स्वस्थ भोजन करने की सलाह देते हुए एक पत्र लिखिए।

प्र.३) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

एक दिन महात्मा बुद्ध एक वृक्ष के नीचे बैठे विश्राम कर रहे थे। तभी, अकस्मात् एक डाकू वहाँ आया और महात्मा बुद्ध को मारने के लिए आगे बढ़ा। महात्मा बुद्ध शांत चित्त एवं निर्विकार भाव से, मुस्कुराते हुए बोले- “तुम मुझे मारना चाहते हो ? अवश्य मारो। परंतु मुझे मारने से पहले यदि मेरी एक इच्छा पूरी कर दो, तो तुम्हारा मुझ पर महान उपकार होगा।"

"क्या इच्छा है ?" डाकू ने पूछा।

महात्मा बुद्ध ने कहा- "मित्र, मरने वाले की अंतिम इच्छा पूरी करना बड़े पुण्य का काम है। सामने जो वृक्ष दिखाई दे रहा है, उसकी एक शाखा काटकर मुझे ला दो।"

डाकू मन-ही-मन महात्मा बुद्ध पर हँसा- 'पागल है। पेड़ की टहनी भी कोई माँगने की वस्तु है। प्राणदान भी तो माँगा जा सकता था ।' डाकू ने अपनी खड्ग से उस वृक्ष की एक शाखा काटकर महात्मा बुद्ध को दे दी। टहनी को अपने हाथ में लेकर महात्मा बुद्ध ने कहा- "मित्र! तुमने मेरा आधा कार्य तो संपन्न कर दिया, बाकी आधा भी कर दो, तो बहुत कृपा होगी। इस शाखा को वापस उसी स्थान पर जोड़ दो, जहाँ से इसे काटकर लाए हो।"

डाकू यह सुनकर क्रोधित हो गया और गुस्से से बोला- "तुम तो बड़े ही मूर्ख हो। काटी हुई शाखा को जोड़ना संभव नहीं है। असंभव भी कभी संभव

हो सकता है? यह अब वापस जोड़ी नहीं जा सकती। कुछ और माँग लो।"

डाकू के क्रोध और खीझ भरे शब्दों से महात्मा बुद्ध तनिक भी विचलित नहीं हुए। शांत एवं गंभीर स्वर में बोले- "मुझे और कुछ नहीं चाहिए। परंतु इस तथ्य को समझ लो कि जो तोड़ता है वह कमजोर है और जो जोड़ता है वह शक्तिशाली है। जिस काम के लिए आए हो वह करो। अब तुम मुझे मार सकते हो।"

डाकू सोच में पड़ गया- 'मैंने तो कितने ही लोगों को काट डाला है। अपनी तलवार की तीक्ष्ण धार से कितने ही लोगों को हमेशा के लिए नींद में सुला चुका हूँ। जोड़ तो मैं किसी को भी नहीं सकता। उनमें से किसी को भी फिर से जीवित नहीं कर सकता।'

उसका हृदय-परिवर्तन हो गया। उसको अपने कुकृत्यों पर पश्चाताप होने लगा। वह महात्मा बुद्ध के चरणों पर गिर पड़ा। महात्मा बुद्ध ने उसे प्यार से उठाया और कहा- "जाओ, आज से जोड़ो और जीवन का आनंद उठाओ । यही मानवता है।"

i. महात्मा बुद्ध ने मुस्कुराते हुए डाकू से क्या कहा और क्यों ? (२)

ii. महात्मा बुद्ध की पहली इच्छा क्या थी? डाकू ने उनकी इच्छा पूरी करने के लिए क्या किया ? (२)

iii. शाखा को पेड़ से जोड़ने की बात सुनकर डाकू ने क्या कहा ? (२)

iv. महात्मा बुद्ध ने जीवन का कौन-सा तथ्य डाकू को समझाया? (२)

v. गद्यांश से मिलने वाली सीख लिखिए। (२)

प्र.४) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए: - (८)

१. 'तालाब' का उचित पर्यायवाची शब्द बताइए:

a) सारोवर - जालाशय

b) सरोवर - जलाशय

c) सरिता - सलिला

d) सारिता - सल्लीला

२. 'आग्रह' का विलोम बताइए:

a) दूराग्रह

b) सुआग्रह

c) दुराग्रह

d) दुआग्रह

३. 'राष्ट्र' की भाववाचक संज्ञा बताइए:

a) राष्ट्रीय

b) राष्टीयता

c) राष्ट्रियता

d) राष्ट्रीयता

४. 'जो अच्छा आचरण करता हो' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइए:

a) सधाचारी

b) सदाआचारी

c) सदाचारी

d) सादाचारी

५. 'आकाश- पाताल एक करना' मुहावरे का अर्थ बताइए:

a) आकाश से पाताल तक की दूरी नापना

b) बहुत परिश्रम करना

c) बहुत क्रोधित होना

d) आसमान में उड़ना

६. 'प्रदर्शिनी' शब्द का शुद्ध रूप बताइए :

a) प्रर्दाशनी

b) प्रदर्शिनि

c) प्रदरशनि

d) प्रदर्शनी

७. निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए:

'तुम तुम्हारा काम ईमानदारी से करो।' इस वाक्य का शुद्ध रूप बताइए:

a) तुम तुम्हारे काम ईमानदारी से करो।

b) तुम अपना काम ईमानदारी से करो।

c) तुम अपना काम इमानदारी से करो।

d) तुम तुम्हारा काम इमानदारी से कीजिए।

८. निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए:

'आकाश में चिड़िया उड़ रही है।' इस वाक्य का वचन परिवर्तन कीजिए।

a) आकाश में चिड़ा उड़ रहा है।

b) आकाश में चिड़ियाँ उड़ रही है।

c) आकाश में चिड़ियाँ उड़ रही हैं।

d) आकाश में चिड़ियाँ उड़ा रही थी।

विभाग ब (अंक - ४०)

साहित्य - विभाग

निर्देश - प्रश्न ५,६,७ अनिवार्य हैं। प्रश्न ८,९,१० में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्र.५ निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए : **(२)**

१. सहस- २. कमरी- ३. बाठी- ४. बकुचा

प्र.६ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

१. लाक्षागृह का निर्माण किसने और कैसे करवाया ? (२)

२. कर्णिक कौन था ? उसने धृतराष्ट्र को क्या समझाया ? (२)

३. द्रोण क्या सोचकर पांचाल देश गए और क्यों ? (२)

४. परशुराम ने कर्ण को क्या शाप दिया और उसका क्या परिणाम हुआ?(२)

प्र. ७ निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

गुन के गाहक सहस नर, बिन गुन लहै न कोय।
जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय।।
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।
दोऊ के एक रंग, काग सब भये अपावन।
कह 'गिरिधर कविराय', सुनो हो ठाकुर मन के।।
बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के ।।

प्रश्न:

१. प्रस्तुत पंक्तियों का संदर्भ लिखिए। (२)

२. कागा और कोकिला में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए। (२)

३. प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। (३)

४. प्रस्तुत पंक्तियों से आपको क्या सीख मिली ? कवि के जन्म व कुंडलियों के संबंध में जानकारी दीजिए। (३)

प्र.८ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

" महापंडित वंदन मिश्र! पिता और पुत्र के बीच में बोलने का आपको कोई अधिकार नहीं है ।"

प्रश्न:

१. वक्ता का परिचय दीजिए । (२)

२. इस पाठ का संदेश लिखिए । (२)

३. वक्ता के पिता ने उसे क्या शाप दिया और क्यों ? (३)

४. वंदन मिश्र ने राजा जनक के सामने किस रहस्य का उद्घाटन किया? (३)

प्र.९ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

मैंने उसकी पीठ थपथपाते हुए पूछा, "आज तुम्हारा खेल जमा क्यों नहीं ?"

प्रश्न:

१. यह वाक्य किसने,किससे और कहाँ पर कहा ? (२)

२. श्रोता का खेल जमा क्यों नहीं था ? (२)

३. श्रोता किस तरह अपना खेल दिखता था , उसके खेल का वर्णन कीजिए। (३)

४. श्रोता वक्ता को पहली बार कहाँ मिला था ? उस समय उसकी क्या दशा थी ?उसने उस समय वक्ता को अपने परिवार के बारे में क्या बताया? (३)

प्र. १० निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

जैसे-जैसे बाबू रामजीदास का स्नेह दोनों बच्चों पर बढ़ता जाता था, वैसे-वैसे रामेश्वरी के द्वेष और घृणा की मात्रा भी बढ़ती जाती थी।

प्रश्न :

१.बाबूरामजीदास का परिचय दीजिए। (२)

२. दोनों बच्चे कौन- कौन थे ? उनकी उम्र बताइए। (२)

३. रामेश्वरी को किस बात का दुख था ? उसकी बच्चों के प्रति द्वेष और घृणा की मात्रा क्यों बढ़ती जाती थी ? स्पष्ट कीजिए। (३)

४.वह कौन- सी घटना थी जिससे रामेश्वरी का मन पूरी तरह बदल गया? अपने शब्दों में लिखिए। (३)

---------- समाप्त----------